

## कार्ड्स बिजनेस में दो साल में उतनी ग्रोथ, जितनी इससे पहले के 25 साल में हुई थी

भीम सिंह | नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने देश में पेमेंट सिस्टम की तस्वीर बदल दी है। बीते कुछ वर्षों में कार्ड्स का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। इसका डिजिटल यूज बढ़ने से कैश का चलन कम हो गया है। डिजिटल ट्रांजैक्शन आसान होने के चलते क्रेडिट और डेबिट कार्ड का ऑफलाइन इस्तेमाल भी घटा है। इन्हीं मसलों पर दैनिक भास्कर ने एनपीसीआई की सीओओ प्रवीणा राय से बात की। पेश है बस बातचीत के प्रमुख अंश...

**मार्च में क्रेडिट कार्ड का ऑनलाइन इस्तेमाल ऑफलाइन के मुकाबले तीन गुना हुआ। इसकी क्या वजह देखती हैं?**

कोविड काल में घर बैठे शॉपिंग करने की आदत पड़ना इसकी सबसे बड़ी वजह है। यह आसान और सुरक्षित भी है। इसके अलावा ऑनलाइन ट्रांजैक्शंस पर कैशबैक जैसे तरह-तरह के इन्सेंटिव भी मिलते हैं। कुछ मामलों में ऐसे इन्सेंटिव कार्ड कंपनी और मर्चेन्ट, दोनों तरफ से मिलते हैं।

**हाल के वर्षों में कार्ड बिजनेस में किस तरह के बदलाव आए हैं?**

इस मामले में बहुत तेज ग्रोथ देखी गई है। देश में अभी करीब 7.2 करोड़ कार्ड चलन में हैं। इस मामले में देश ने बीते 25 वर्षों में जितनी ग्रोथ देखी, उसमें से 50% ग्रोथ सिर्फ बीते दो वर्षों में देखी गई। दरअसल कोविड के दौर में कैश निकालना और बाहर जाकर उसे खर्च करना, दोनों आसान नहीं थे।

**पेमेंट नेटवर्क रुपये का प्रदर्शन कैसा है? देश के कार्ड बाजार में इसकी कितनी हिस्सेदारी है?**

रुपे कार्ड्स ने बहुत कम समय में बड़ी कामयाबी हासिल की है। अभी डेबिट कार्ड के मामले में रुपे की हिस्सेदारी करीब 35% तक पहुंच गई है, हालांकि क्रेडिट कार्ड में इसकी हिस्सेदारी 10% के आसपास ही है।

**इस बड़ी कामयाबी की क्या प्रमुख वजह रही?**

हम ग्राहक पर फोकस करते हैं।

यह देखकर कार्ड डिजाइन करते हैं कि इसका इस्तेमाल कौन करने वाला है? वह शहर में रहता है या ग्रामीण है और किस आय वर्ग से ताल्लुक रखता है। यही वजह है कि रुपे की स्वीकार्यता सभी वर्गों में है। हमने इसे यूथफुल ब्रांड के तौर पर स्थापित करने की भी कोशिश की है।

**एनपीसीआई रुपे के साथ ही आईएमपीएस, यूपीआई और भीम एप जैसे रिटेल पेमेंट्स सिस्टम का भी अंग्रेला ऑर्गनाइजेशन है। इससे देश में क्या बदला है?**

सबसे बड़ा बदलाव न्यूनतम लागत में पेमेंट के ढेर सारे प्लेटफॉर्म उपलब्ध होना है। ये सभी प्लेटफॉर्म देश को डिजिटल सोसायटी की तरफ ले जा रहे हैं। एनपीसीआई में हमारा मकसद लोगों का जीवन आसान बनाना और कैश का इस्तेमाल कम से कम करना है। इसमें कामयाबी भी मिल रही है।

**हाल ही में इंडियन ऑयल एक्सिस बैंक रुपे क्रेडिट कार्ड लॉन्च हुआ है। ऐसे को-ब्रांडेड कार्ड के क्या फायदे हैं?**

ऐसे कार्ड के सभी पार्टनर्स ग्राहकों को अपने-अपने तरीके से इन्सेंटिव देते हैं। इससे यूजर को अतिरिक्त बचत होती है। आप जिस कार्ड की बात कर रहे हैं, वो इंडियन ऑयल के साथ हमारा कस्टमाइज्ड प्रोडक्ट है। इसके इस्तेमाल से महंगे ईंधन के दौर में यूजर हर ट्रांजैक्शन पर कुछ बचत कर सकेगा।